अस्मिन् प्रश्नपत्रे **51** प्रश्नाः एवम् **16** मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न–पत्र में **51** प्रश्न तथा **16** मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं. | | | | | | | | | | | | |

गूढसंख्या 70/SS/O
कोड नं.

स्तवकः/सेट - A

भारतीयदर्शनम्

भारतीय दर्शन

(347)

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ______________________

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)
1. ______________________
2. ______________________

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

सामान्या निर्देशाः –

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।

2. निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।

4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या **70/SS/O,** स्तवक- **A** नूनं लेख्या।

7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

सामान्य निर्देश :

1. प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2. प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग) तथा (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर–पत्र में लिखना है।

4. सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।

5. उत्तर–पत्र में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।

6. अपने उत्तर–पत्र में प्रश्न–पत्र का कोड नं. **70/SS/O,** सेट- **A** अवश्य लिखें।

7. सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

NOTE / निर्देश :

(1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.

सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

(2) 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 02.15 p.m. From 02.15 p.m. to 02.30 p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण दोपहर में 02.15 बजे किया जाएगा। 02.15 बजे से 02.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

भारतीयदर्शनम्

भारतीय दर्शन

(347)

परीक्षासमयावधिः – होरात्रयम्] [पूर्णाङ्काः – : 100

परीक्षा का समय : तीन घंटे] [पूर्णाङ्क – : 100

निर्देशाः :

निर्देश :

(1) अस्मिन् प्रश्नपत्रे [A] भागे 20, [B] भागे 15, [C] भागे 6, [D] भागे 6, [E] भागे 4 इति आहत्य 51 प्रश्नाः सन्ति।

इस प्रश्न–पत्र में [A] भाग में 20, [B] भाग में 15, [C] भाग में 6, [D] भाग में 6, [E] भाग में 4, कुल मिलाकर 51 प्रश्न शामिल हैं।

(2) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(3) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।

प्रश्न के दाहिनी ओर की संख्या (अङ्क × प्रश्न = पूर्णाङ्क) अंक को सूचित करती है।

(4) A भागे प्र.सं. 1 तः 20 पर्यन्तं वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः (MCQs) येषु प्रत्येकम् एकः अङ्कः भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकम् उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु।

भाग A में प्र.सं. 1 से 20 तक वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न (MCQs) हैं, प्रत्येक एक अंक का है। इनमें से प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें और लिखें।

(5) B भागे प्र.सं. 21 तः 35 पर्यन्तम् वस्तुनिष्ठप्रश्नाः/मेलनम्, रिक्तस्थानानि, सत्यम्–असत्यम् इत्यादि। प्रत्येकं प्रश्नः अङ्कद्वयात्मकः अस्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

भाग B में प्रश्न 21 से 35 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न/मिलान, रिक्त स्थान, सत्य–असत्य आदि हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। उनके निर्देशानुसार उत्तर दें।

(6) C भागे प्र.सं. 36 तः 41 पर्यन्तम् अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कद्वयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं 30 तः 50 शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

भाग C में प्रश्न संख्या 36 से 41 तक प्रत्येक दो–दो अंक का अति लघु उत्तरीय प्रश्न है। निर्देशानुसार उनके 30 से 50 शब्दों की सीमा में उत्तर दें।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

(7) **D** भागे प्र.सं. **42** तः **47** पर्यन्तम् अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कत्रयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **50** तः **80** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

भाग **D** में प्रश्न संख्या **42** से **47** तक प्रत्येक तीन अंक के लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके **50** से **80** शब्दों की सीमा में उत्तर दें।

(8) **E** भागे प्र.सं. **48** तः **51** पर्यन्तम् दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् पञ्चाङ्कात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **80** तः **100** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

भाग **E** में प्रश्न संख्या **48** से **51** तक प्रत्येक पाँच अंक के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके **80** से **100** शब्दों की सीमा में उत्तर दें।

(9) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में ही लिखे जाने चाहिए।

(10) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या।

अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का गुप्त क्रमांक अवश्य लिखें।

(11) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

उत्तर–पुस्तिका पर स्व–पहचान लिखना या निर्धारित स्थान को छोड़कर कहीं भी अनुक्रमांक लिखना सख्त वर्जित है।

UNNATI EDUCATIONS

(12) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय के अंदर लिखने होंगे।

EK KADAM UNNATI KI AUR

(13) निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

जाँचें कि क्या प्रश्न–पत्र की पत्र संख्या और प्रश्नों की संख्या प्रथम पत्र की शुरुआत में दी गई संख्या के समान है या नहीं। प्रश्न क्रम सही है या नहीं।

(14) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्यः।

प्रश्न पत्र के प्रथम पत्र में अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

[A] प्रश्नसंख्या 1-20 बहुविकल्पप्रश्नाः सन्ति येषां कृते 20 अङ्काः आवण्टिताः भवन्ति– 1×20=20

प्रश्न क्रमांक 1-20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके लिए 20 अंक निर्धारित हैं:

1 पञ्च तन्मात्राणि कस्मात् उत्पद्यन्ते ?

(क) प्रकृतेः (ख) तमःप्रधानाहङ्कारात्

(ग) महत्तत्त्वात् (घ) सत्त्वप्रधानाहङ्कारात्

पाँच तत्त्वों की उत्पत्ति कहाँ से होती है ?

(क) प्रकृति से (ख) तमःप्रधान अहङ्कार से

(ग) महत्तत्त्व से (घ) सत्त्वप्रधान अहङ्कार से

2 सांख्यमते अहङ्कारात् कतिविधः सर्गः प्रवर्तते ?

(क) त्रिविधः (ख) द्विविधः

(ग) चतुर्विधः (घ) एकादशविधः

सांख्य के अनुसार अहंकार से कितने प्रकार की सृष्टि उत्पन्न होती है ?

(क) तीन प्रकार (ख) दो प्रकार

(ग) चार प्रकार (घ) ग्यारह प्रकार

3 आरम्भवादः केषाम् ?

(क) बौद्धानाम् (ख) नैयायिकानाम्

(ग) सांख्यानाम् (घ) अद्वैतवेदान्तिनाम्

आरम्भवाद किन सम्प्रदायों का है ?

(क) बौद्ध (ख) नैयायिक

(ग) सांख्य (घ) अद्वैतवेदांती

4 अद्वैतवेदान्तिभिः कः वादः अभ्युपगम्यते ?

(क) विवर्तवादः (ख) असत्कार्यवादः

(ग) आरम्भवादः (घ) शून्यवादः

अद्वैत वेदांती किस वाद को स्वीकार करते हैं ?

(क) विवर्तवाद (ख) असत्कार्यवाद

(ग) आरम्भवाद (घ) शून्यवाद

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

5 चैतन्याभिव्यञ्जिका वृत्तिः कतिधा ?

(क) त्रयः (ख) चत्वारः

(ग) पञ्च (घ) षट्

कितने प्रकार की वृत्तियाँ चेतना को व्यक्त करती हैं ?

(क) तीन (ख) चार

(ग) पांच (घ) छह

6 सोऽयं देवदत्तः इति कस्य उदाहरणम् ?

(क) सविकल्पकज्ञानस्य (ख) निर्विकल्पकज्ञानस्य

(ग) सन्देहस्य (घ) कस्यापि न

सोऽयं देवदत्तः यह किसका उदाहरण है ?

(क) सविकल्पक ज्ञान का (ख) निर्विकल्पक ज्ञान का

(ग) सन्देह का (घ) कोई नहीं

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

7 अद्वैतवेदान्तमते तत्त्वमसि इति वाक्यात् कीदृशं ज्ञानम् उत्पद्यते ?

(क) सविकल्पकज्ञानम् (ख) निर्विकल्पकज्ञानम्

(ग) मिथ्याज्ञानम् (घ) किमपि न

अद्वैत वेदांत के अनुसार तत्त्वमसि वाक्य से किस प्रकार का ज्ञान उत्पन्न होता है ?

(क) सविकल्पक ज्ञान (ख) निर्विकल्पक ज्ञान

(ग) मिथ्या ज्ञान (घ) कोई नहीं

8 वेदान्तमते शाब्दबोधे कति सहकारिकारकाणि ?

(क) त्रीणि (ख) चत्वारि

(ग) पञ्च (घ) षट्

वेदांत के अनुसार शब्दों को समझने में कितने सहयोगी कारक होते हैं ?

(क) तीन (ख) चार

(ग) पांच (घ) छह

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

9 वेदान्तमते कीदृशः अभावः अनादिः सान्तश्च ?

(क) प्रागभावः (ख) प्रध्वंसाभावः

(ग) अत्यन्ताभावः (घ) अन्योन्याभावः

वेदांत के अनुसार किस प्रकार का अभाव अनादि एवं सान्त है ?

(क) प्रागभाव (ख) प्रध्वंसाभाव

(ग) अत्यन्ताभाव (घ) अन्योन्याभाव

10 शक्यसाक्षात्सम्बन्धः कीदृशी लक्षणा ?

(क) लक्षितलक्षणा (ख) केवललक्षणा

(ग) जहल्लक्षणा (घ) अजहल्लक्षणा

शक्यसाक्षात्सम्बन्ध कैसी लक्षणा है ?

(क) लक्षितलक्षणा (ख) केवललक्षणा

(ग) जहल्लक्षणा (घ) अजहल्लक्षणा

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

11 अज्ञानोपहितात् चैतन्यात् प्रथमोत्पन्नं महाभूतं किम ?

(क) वायुः (ख) आकाशः

(ग) जलम् (घ) तेजः

अज्ञान उपहित चैतन्य से उत्पन्न होने वाला पहला महाभूत कौन सा है ?

(क) वायु (ख) आकाश

(ग) जल (घ) तेज

12 वेदान्तमते प्रलयः कतिविधः ?

(क) द्विविधः (ख) त्रिविधः

(ग) चतुर्विधः (घ) षड्विधः

वेदांत के अनुसार प्रलय के कितने प्रकार होते हैं ?

(क) दो (ख) तीन

(ग) चार (घ) छह

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

13 एतेषु किम् आस्तिकदर्शनं नास्ति?

(क) सांख्यम् (ख) बौद्धदर्शनम्

(ग) न्यायदर्शनम् (घ) योगदर्शनम्

इनमें आस्तिक दर्शन कौन नहीं है?

(क) सांख्य (ख) बौद्धदर्शन

(ग) न्यायदर्शन (घ) योगदर्शन

14 प्रमा नाम का?

(क) ज्ञानम् (ख) यथार्थज्ञानम्

(ग) प्रमाणम् (घ) अविद्या

प्रमा क्या है?

(क) ज्ञान (ख) यथार्थज्ञान

(ग) प्रमाण (घ) अविद्या

15 कति ख्यातयः प्रसिद्धाः?

(क) त्रयः (ख) चत्वारः

(ग) पञ्च (घ) सप्त

कितनी ख्यातियाँ प्रसिद्ध हैं?

(क) तीन (ख) चार

(ग) पांच (घ) सात

16 असत्ख्यातिवादिनः के?

(क) शून्यवादिनः (ख) नैयायिका

(ग) वेदान्तिनः (घ) मीमांसकाः

असत्ख्यातिवादी कौन हैं?

(क) शून्यवादी (ख) नैयायिक

(ग) वेदान्ती (घ) मीमांसक

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

17 अद्वैतवेदान्तमते कति सत्ताः स्वीक्रियन्ते ?

(क) त्रिस्त्रः (ख) चतस्त्रः

(ग) पञ्च (घ) द्वे

अद्वैत वेदांत के अनुसार कितनी सत्ताएँ स्वीकार की जाती है ?

(क) तीन (ख) चार

(ग) पांच (घ) दो

18 त्वगिन्द्रियं कस्मात् उत्पद्यते ?

(क) आकाशात् (ख) वायोः

(ग) तेजसः (घ) अर्घ्य

त्वगिन्द्रिय कहाँ से उत्पन्न होता है ?

(क) आकाश से (ख) वायु से

(ग) तेज से (घ) जल से

19 शमादिषद्सम्पत्तौ इदं नान्तर्भवति –

(क) उपरतिः (ख) सम्बन्धः

(ग) तितिक्षा (घ) श्रद्धा

शमादिषद्सम्पत्ति में यह शामिल नहीं है –

(क) उपरति (ख) सम्बन्ध

(ग) तितिक्षा (घ) श्रद्धा

20 साधनचतुष्टये अयम् अन्यतम: नास्ति –

(क) फलभोगविरागः (ख) अधिकारी

(ग) नित्यानित्यवस्तुविवेकः (घ) मुमुक्षुत्वम्

यह साधनचतुष्टय में से एक नहीं है –

(क) फलभोग विराग (ख) अधिकारी

(ग) नित्यानित्य वस्तुविवेक (घ) मुमुक्षुत्व

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

[B] प्रश्नसंख्या 21-35 वस्तुनिष्ठप्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकं प्रश्नं द्वयोः अङ्कयोः भवति, तदर्थं 30 अङ्काः आवण्टिताः भवन्ति। **2×15=30**

प्रश्न संख्या 21-35 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है और इसके लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

अधोलिखितेषु रिक्तस्थानेषु उत्तरं ददातु।

नीचे दिए गए रिक्त स्थानों का उत्तर दीजिए।

21 पुरुषस्य ________ कैवल्यार्थं तथा ________। **2**

पुरुषस्य ________ कैवल्यार्थं तथा ________।

22 जीवेश्वरसम्बन्धात् प्रत्यक्षज्ञानं द्विविधम् ________, ________ चेति। **2**

जीवेश्वरसम्बन्धात् प्रत्यक्षज्ञानं द्विविधम् ________, ________ चेति।

23 अनुमितौ व्याप्तिज्ञानजन्यः ________, परामर्शजन्या ________। **2**

अनुमितौ व्याप्तिज्ञानजन्यः ________, परामर्शजन्या ________।

24 तमेव विदित्वाऽति मृत्युमेति नान्यः ________ विद्यते ________। **2**

तमेव विदित्वाऽति मृत्युमेति नान्यः ________ विद्यते ________।

25 शमः ________, ________ तितिक्षा समाधानं ________ चेति शमादिषट्कम्। **2**

शमः ________, ________ तितिक्षा समाधानं ________ चेति शमादिषट्कम्।

26 अधोलिखितेषु वाक्येषु सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु। **2**

(क) वेदान्तमते इन्द्रियाजन्यं प्रत्यक्षं स्वीक्रियते। सत्यम्/असत्यम्

(ख) वेदान्तमते माया हि त्रिगुणात्मिका। सत्यम्/असत्यम्

नीचे दिए गए वाक्यों में से सत्य और असत्य कथन चुनें।

(क) वेदांत के अनुसार इन्द्रियों द्वारा अनुत्पन्न प्रत्यक्षता को स्वीकार किया जाता है। सत्य/असत्य

(ख) वेदांत के अनुसार, माया त्रिगुणात्मिका है। सत्य/असत्य

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

27 अधोलिखितेषु वाक्येषु सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु। **2**

(क) वेदान्तमते सिद्धान्ते लक्षणायाः बीजं हि अन्वयानुपपत्तिः। सत्यम्/असत्यम्

(ख) लक्षणा हि मुख्या वृत्तिः न। सत्यम्/असत्यम्

नीचे दिए गए वाक्यों में से सत्य और असत्य कथन चुनें।

(क) वेदांत के अनुसार, सिद्धांत में लक्षणा का बीज है अन्वय की अनुपपत्ति। सत्य/असत्य

(ख) लक्षणा मुख्य वृत्ति नहीं है। सत्य/असत्य

28 अधोलिखितेषु वाक्येषु सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु। **2**

(क) वेदान्तमते साधनचतुष्टयाद् अनन्तरं ब्रह्मजिज्ञासा कर्तव्या। सत्यम्/असत्यम्

(ख) येषां कर्मणां नरकादि अनिष्टं फलं तानि काम्यानि कर्माणि। सत्यम्/असत्यम्

नीचे दिए गए वाक्यों में से सत्य और असत्य कथन चुनें।

(क) वेदांत के अनुसार, चार साधनों के बाद, ब्रह्म की जिज्ञासा करनी चाहिए। सत्य/असत्य

(ख) वे कर्म जिनका फल अनिष्ट नरक होता है वे काम्य कर्म हैं। सत्य/असत्य

29 अधोलिखितेषु वाक्येषु सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु। **2**

(क) वेदान्ते द्वितीयः अनुबन्धो हि विषयः। सत्यम्/असत्यम्

(ख) उपासनायाः मुख्यं फलं चित्तशुद्धिः। सत्यम्/असत्यम्

नीचे दिए गए वाक्यों में से सत्य और असत्य कथन चुनें।

(क) वेदांत में दूसरा अनुबंध विषय है। सत्य/असत्य

(ख) उपासना का मुख्य फल मन की शुद्धि है। सत्य/असत्य

30 अधोलिखितेषु वाक्येषु सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु। **2**

(क) प्रकरणप्रतिपाद्यस्य तत्र तत्र प्रशंसनम् अर्थवादः। सत्यम्/असत्यम्

(ख) प्रकरणप्रतिपाद्यस्य वस्तुनः पौनः पुण्येन प्रतिपादनम् अभ्यासः। सत्यम्/असत्यम्

नीचे दिए गए वाक्यों में से सत्य और असत्य कथनों का चयन करें।

(क) प्रकरण में प्रतिपाद्य को बीच बीच में प्रशंसा करना अर्थवाद कहलाता है। सत्य/असत्य

(ख) प्रकरण में प्रतिपाद्य वस्तु को बार–बार प्रस्तुत करना ही अभ्यास कहलाता है। सत्य/असत्य

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI OR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

31 मेलनं कुरु – **2**

(क) अभावः — क. द्विविधः
ख. चतुर्विधः
(ख) अर्थापत्तिः — ग. द्विविधः
घ. त्रिविधः

मैच का मिलान करें –

(क) अभाव — क. दो प्रकार
ख. चार प्रकार
(ख) अर्थापत्ति — ग. दो प्रकार
घ. तीन प्रकार

32 मेलनं कुरु – **2**

(क) भामतीकारः — क. शङ्कराचार्यः
ख. वाचस्पतिमिश्रः
(ख) विवरणकारः — ग. प्रकाशात्मयतिः
घ. पद्मपादाचार्यः

मैच का मिलान करें –

(क) भामतीकारः — क. शङ्कराचार्यः
ख. वाचस्पतिमिश्रः
(ख) विवरणकारः — ग. प्रकाशात्मयतिः
घ. पद्मपादाचार्यः

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI OR

33 मेलनं कुरु – **2**

(क) तात्पयनिर्णायकलिङ्गानि — क. पञ्च
ख. षट्
(ख) साधनानि — ग. त्रीणि
घ. चत्वारि

मैच का मिलान करें –

(क) तात्पर्यनिर्णायकलिङ्गानि — क. पञ्च
ख. षट्
(ख) साधनानि — ग. त्रीणि
घ. चत्वारि

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

34 मेलनं कुरु – **2**

(क)	अद्वैतवेदान्तमते मुक्तिः	क.	द्विविधा
		ख.	त्रिविधा
(ख)	स्थितप्रज्ञो हि	ग.	क्रममुक्तः
		घ.	जीवन्मुक्तः

मैच का मिलान करें –

(क)	अद्वैतवेदान्तमत में मुक्ति है	क.	दो प्रकार की
		ख.	तीन प्रकार की
(ख)	स्थितप्रज्ञ है	ग.	क्रममुक्त
		घ.	जीवन्मुक्त

35 मेलनं कुरु – **2**

(क)	उपासना	क.	चान्द्रायणादि
		ख.	शाण्डिल्यविद्या
(ख)	नित्यम्	ग.	जातेष्ट्यादि
		घ.	सन्ध्यावन्दनादि

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

मैच का मिलान करें –

(क)	उपासना	क.	चान्द्रायणादि
		ख.	शाण्डिल्यविद्या
(ख)	नित्यम्	ग.	जातेष्ट्यादि
		घ.	सन्ध्यावन्दनादि

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

[C] **षट्–प्रश्नानां यथानिर्देशम् लघूनि उत्तराणि लिखत।** **2×6=12**

निर्देशानुसार छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें।

36 शाब्दबोधे का नाम वृत्तिः? सा कतिधा?

शाब्दबोध में वृत्ति क्या है? वह कितने प्रकार का है?

अथवा

किं नाम सविकल्पकं ज्ञानम्? उदाहरणम् एकं लिखत।

सविकल्पक ज्ञान क्या है? एक उदाहरण लिखें।

37 किं नाम निर्विकल्पं ज्ञानम्? उदाहरणम् एकं लिखत।

निर्विकल्प ज्ञान क्या है? एक उदाहरण लिखें।

38 प्रातिभासिकत्वे नियामकं किं भवति? शुक्तिरजतोत्पत्तौ इन्द्रियदोषः कः?

प्रातिभासिकत्व में नियामक क्या है? शुक्तिरजत की उत्पत्ति में इन्द्रियदोष क्या है?

अथवा

शुक्तिरजतस्य परिणाम्युपादानकारणं किम्? विवर्तोपादानकारणं च किम्?

शुक्तिरजत का परिणामी उपादानकारण क्या है? और विवर्त उपादान कारण क्या है?

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

39 का आकाङ्क्षा? का च योग्यता?

आकांक्षा क्या है? योग्यता क्या है?

40 किं तावत् श्रवणम्?

श्रवण क्या है?

अथवा

किं नाम सञ्चितं कर्म?

संचित कर्म क्या है?

41 अपवादो नाम कः?

अपवाद क्या है?

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

[D] षट्–प्रश्नान् अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त। 3×6=18

छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए।

42 सांख्यमते तत्त्वानां सृष्टिक्रमं संक्षेपेण लिखत।

सांख्य के अनुसार तत्त्वों की रचना का क्रम संक्षेप में लिखिए।

अथवा

असत्कार्यवादविषये लघुटिप्पणीं लिखत।

असत्कार्यवाद पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

43 टीकां लिखत – महत्तत्त्वम्

टीका लिखें – महत्तत्त्वम्

44 वेदान्तमते शाब्दबोधे सहकारिकारणेषु त्रयाणां संक्षेपेण परिचयः दीयताम्।

वेदांत के अनुसार शाब्दबोध में सहयोगी तीन कारणों का संक्षेप में परिचय दें।

अथवा

अर्थापत्तिप्रमाविषये लघुटिप्पणीमेकां लिखत।

अर्थापत्ति प्रमाण पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

UNNATI EDUCATIONS

45 काम्यं निषिद्धं नित्यं नैमित्तिकं च कर्म समासेन वर्ण्यताम्।

काम्य निषिद्ध नित्य और नैमित्तिक कर्म को संक्षेप में वर्णन करें।

46 अज्ञानस्य शक्तिद्वयं विव्रियताम्।

अज्ञान की दो शक्तियों की व्याख्या करें।

अथवा

अध्यासलक्षणं संक्षेपेण विचारयत।

अध्यास का लक्षण को संक्षेप में विचार करें।

47 वेदान्तशास्त्रस्य किं तावत् प्रयोजनमिति विषयमाश्रित्य लघुप्रबन्धं लिखत।

वेदांत शास्त्र का प्रयोजन क्या है इस विषय पर एक लघु निबंध लिखें।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

[E] चत्वारः दीर्घोत्तरैः समाधेयाः। 5×4=20

चार प्रश्नों के दीर्घ उत्तर दीजिए।

48 शब्दप्रमाणलक्षणं सोदाहरणम् आलोचयत।

शब्दप्रमाण का लक्षण को उदाहरण के साथ चर्चा करें।

अथवा

न्यायसम्मतः स्वार्थानुमानक्रमः वर्णनीयः।

न्यायदर्शन स्वीकृत स्वार्थानुमान के क्रम का वर्णन करें।

49 अध्यासभेदान् संक्षेपेण वर्णयत।

अध्यास का प्रकार को संक्षेप में वर्णन करें।

50 सविकल्पकं निर्विकल्पकं च समाधिं संक्षेपेण वर्णयत।

सविकल्पक और निर्विकल्पक समाधि का संक्षेप में वर्णन करें।

अथवा

अद्वैतवेदान्तानुसारेण साधनचतुष्टयस्य समासेन परिचयः प्रदीयताम्।

अद्वैत वेदांत के अनुसार चार साधनों का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

51 पञ्चख्यातिषु यथेच्छं ख्यातित्रयं समासेन आलोच्यताम्।

अपनी इच्छानुसार पाँच में से तीन ख्यातियों की संक्षेप में चर्चा करें।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279